

ਮਿਸ਼

50900

50900 - (ज्योतिष व्यापक कल्प)

ॐ श्रीगुरुदेवमिवायै नमः ॐ म क ल क ले वि भि मू भू भू भू
 च च्च नै भ द भ न ॥ उ भि द भ द पा प द रं प सु प म रि पां भ कं व न् ॥ ० ॥
 ॐ उ म दे मा य वि म दे ॥ हे भ कु प य णी भ दि ॥ उ त्रः मि वः प्र मे म य उ ॥ ३
 ॐ हे भ कु पि रे हे भ कु प य भ च रु पि रे मि व य म र उ य म र ष य
 म र मि उ य पू र य म ष उ य ये ग पी ० भं भि उ य रि हं ये गि रे ष र
 द ग य ॥ ॐ न मः मि व य भ च प्र रु वे मि व य रं मा र भ व उ य भ व रु
 य म प र रु म य य व भ म वे गु रु य भ ह्ने रु भ उ य ॥ ॐ न भे गु रु डि
 गु रु य गे पु रि ण य भ च ये ग पि रु उ य ह्ने गी कु प य प र भ म य म उ न

श्री

[illegible]

ਤਿਸਰੀ ਮੇਰਾ ਕਾ : ਸਾ ਪਾਤ : ਮਹਿਰਤ ਪਦੇ ਸੇਤ ਕਲ ਸਭੋ ਪ੍ਰਕੀ
 ਤਿਤ : ਗਏ ਦਾਤਿ : ਕੁਕ ਮਧ ਭੁਮਤਿ : ਕ੍ਰਿਯਾ : ਕੁਸ਼ਿ ਭੁਯਾ
 ਗੋਮੁ ਮਧੁ ਮਧੁ ਮੇਰੀ ਤਥਾ : ਕਾ ਮਧੇ ਵ ਪਦੇ ਸੇਤ ਕਲ : ਪ੍ਰੇਤ ਭੁਯੇ ਮ
 ਤਮ ਮੇਰੇ ਕਾ ਨਿਧੁ ਮਧੁ ਧੁਯਾ ਧੁਯਾ ਧੁਯਾ : ਸਾ ਪ੍ਰੇਤ ਕਲ ਧੁਯਾ : ਪ੍ਰਮ
 ਧੁਯਾ ਪਿਧੁ ਮਧੁ : ਨਿਧੁ ਤਿਧੁ ਪ੍ਰਤਿਧੁ ਮਧੁ ਤਿਧੁ ਮਧੁ ਤਿਧੁ ਮਧੁ ਤਿਧੁ ਮਧੁ
 ਧੁਯਾ ਕਲ ਧੁਯਾ ਮਧੁ ਪਿਧੁ ਮਧੁ : ਤਾ ਮਧੁ ਤਾ ਤਾ ਤਾ ਤਾ ਤਾ ਤਾ ਤਾ ਤਾ
 ਤਾ : ਪਦੇ ਮਧੁ ਕਲਾ ਪਦ ਮਧੁ ਤਿਸ ਕਲ : ਮਧੁ : ॥ ॥ ਸਭੇ ਮਧੁ
 ਪਿਧੁ ਪਦੇ ਸਾ ਨਿਧੁਯ : ॥ ॥ ਪ੍ਰਤਿਧੁ ਤੇਰੇ ਸਿਵਾਇ ਪਾ ਮਧੁ ਤਿਧੁ ਮਧੁ

ਸ੍ਰੀ
 ੭

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
[उ]भूगउयभुनरययगठाएभूयः॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
गाम्नादभूलीलिभूकुपालिगिरेनऊनिठऊभिमालिशीलिऊ
भारिभूनापवनेष्टदालि॥ इयेकुतभाएदेवाभगभनष्टउष्टमि ॥
हेभभुतभनरशापुभिडिहेभहपी॥ हेभकुपः कुतकुपः॥ भवभ
नष्टपुभिडिभचहपी॥ मिवःमातुवद्रकुपद्रगं उडुवल्कपमभड
कलकुवनस्रभभुतः॥ पधउठगवन्नरतः॥ अयंउधभभनंरावे
गुभकस्त्रिनाथः॥ अभिभूवभासितं॥ रामेकुडमिममिडः॥ पूवः

[illegible]

॥ यं उक्ते विष्णु मेति तस्मात् ॥ स च प्रह्लादयोगकर्मयोग एतय
गोप्रापि रुते पिपतिः ॥ ३ ॥ मया दिभच योगः ॥ मृधुपममृधुमृधु
दविष्टापिपतये उतिपममृधुते पृथगे ॥ ४ ॥ उरयोगापिपतिपमेन ॥
पोरमृधु ॥ ५ ॥ उदप्रविचमरठे मेरपोरमृधुपरिदरः ॥ ६ ॥ उतिः प्रक
मृधुपंमचरुमयमृधुमृधुतं मचेद्रियप्रकमारमचरुमकं ॥
देवाभुधुपमिति एते उतिपः ॥ ७ ॥ पाभरं मृधुचरुमरमाभीमिड
॥ ८ ॥ मेमृगः ॥ मेतयते एतं उतिमेतः ॥ यस्तेतयते मृधुत्राह मृधु
विश्रुतकरा ॥ ९ ॥ मेतयते मृधुपयजरीहमेतः ॥ १० ॥ कगविपेदाह्ला

श. ५

श्री.

ਪਦਿਰਾ॥ ਅਤਿਸਥਲਵ ਮਨਿਤੁਪ॥ ਪਿਨੁ ਸੀਪਤੁ ਮਧਤੁ॥ ਰਾਗੁ ਰੰਗੁ
ਪਿਨੁ ਰੰਗੁ॥ ਲੋਰਾ॥ ਰੰਗੁ ਮਾਤੁਤੁਪ॥ ਲੋਰਾਤੁ ਰੰਗੁ॥ ਤਤ੍ਰਿਯੁਤੁ
ਤਿਵਾ॥ ਮਧੁ ਵਿਮਧੁ ਮਧੁ॥ ਪਰਵਾਤੁਤੁਪ॥ ਮਧੁ ਮਧੁ ਮਧੁ॥ ਮਧੁ ਮਧੁ
ਤੁਤੁ॥ ਮਿਵ ਮਧੁ ਤਿਮੰ ਲੋਰਾਤੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਧੁ ਤਿਪਾਤੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਧੁ
ਤੁਤੁਤੁ॥ ਮਧੁ॥ ਮਧੁ ਕਮਧੁ॥ ਤਿਰਮੁ ਮਿਵਾਤੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਧੁ ਮਧੁ ਮਧੁ॥
ਧੁ ਮਧੁ ਮਧੁ॥ ਤਿਤੁਤੁ॥ ਪਰਤੁਤੁ ਮਧੁਤੁ ਮਧੁ ਕਮਿ ਮਧੁ ਮਧੁ॥
ਮਧੁਤੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਧੁਤੁਤੁ ਪੰਦੀਤੁ ਵਿਸੁ ਮਧੁਤੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਧੁਤੁ ਰੰਗੁ॥
ਮਧੁਤੁ ਮਧੁਤੁ ਵਿਸੁ ਮਧੁਤੁ ਰੰਗੁ॥ ਗਾਧੁਤੁ ਰੰਗੁ॥ ਮਧੁਤੁ ਰੰਗੁ॥

श्रीः
३

मोः ॥ १० ॥ उभयना ॥ एक भलनवकभकमीष्टपमेदुंमेव
प्रतिकभलंपमनवकंप्रवपमंकलिकभष्टे ॥ गन्नूकभभप्र
पजीपैः पयमप्रचेन्नरेवेष्टे ॥ प्रवेक्यागविभुगयेगहृदभ
दभद्र ॥ नवनलिनभएरिदिउंइगैपेउंइरउविधयाएभ
येणपडिभकलकुपंमभभुभदचनूनिमृगः ॥ निणरेमडलुअ
डिः ५ एयउरइममेदः ॥ पडैः श्रदउंगपिसुद्रूपमैः कययेडू
भभा ॥ पवंठणमभभु'कभ'रउमिवंरूणडि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ डि श्रीरमेश्वरगवठगेष्टेभष्टपीकल्यभभभुउडि सिवभ

